2 — " बिहार में आदिवासी आंदोलन "

1765 में मुगल सम्राट शाह आलम द्वारा अंग्रेजों को बंगाल, बिहार, उड़ीसा की दीवानी प्रदान की गयी। इसके साथ ही जनजातीय क्षेत्रों में अंग्रेजों तथा उनके भारतीय समर्थकों (ठेकेदार, जमींदार, महाजनों, सूदखोर महाजनों) का प्रवेश आरम्भ हो गया। इनके आगमन से एक तरफ जहाँ जनजातियों का उनकी भूमि पर से परंपरागत अधिकार समाप्त हो गया वहीं इनके सामाजिक-आर्थिक तथा सांस्कृतिक परंपराएं भी कुप्रभावित हुई। इससे जनजातियों में विरोध का भाव उत्पन्न हो गया।

तमाड़ विद्रोह (1782-1820 ई०) — छोटानागपुर में तमाड़ को मुख्य केंद्र बनाकर मुंडा जनजाति द्वारा छेड़ा गया विद्रोह था। अंग्रेजी शासन की बाहरी लोगों की समर्थन नीति एवं स्थानीय नागवंशी शासकों का अत्याचार इस विद्रोह का मूल कारण था। यह मुख्य रूप से भगान विरोधी था।

इस विद्रोह के फलस्वरूप 1809 में कंपनी शासन द्वारा छोटानागपुर में शांति व्यवस्था की स्थापना हेतु 'जमींदारी पुलिस बल' की स्थापना की गयी।